किफायती दरों में अपना विज्ञापन प्रकाशित करें और अपने व्यापार को और ऊंचाईयों पर ले जाएं।
संपर्क करें:
7018631199

www.himalayanupdate.com 7018631199 समाचार पत्र Postal Regd no: HP/128/SML/2023-25

नवंबर, 2023

आपकी आवाज़

हिमालयन अपडेट

RNI-HPHIN/2017/73579

अपने क्षेत्र की समस्या के बारे में हमें लिखें।
himalayanupdate@gmail.com
7018631199

मंगलवार 21.11.2023 पृष्ठ: 01, मूल्य: 1 रू. शिमला से प्रकाशित advthimalayanupdate@gmail.com

प्रतिष्ठित साहित्यकारों ने अनेक विधाओं में रचित रचनाओं द्वारा बांधा समां

अहं ब्रह्मास्मि-नव उद्घोष' के तत्वावधान में शानदार कार्यक्रम का आयोजन!!!

गुरुग्राम/हिमालयन अपडेट
विगत रविवार 'अहम् ब्रह्मास्मि-नव उद्घोष' संस्था के तत्वावधान में एस्टर्स स्कूल , सेक्टर 45, गुरुग्राम के ऑडिटोरियम में काव्य संगोष्ठी का? भव्य आयोजन हुआ।
सर्वप्रथम माँ शारदे के चरणों में पुष्पांजलि अर्पित कर दीप प्रज्वलित किया गया। तत्पश्चात सुमधुर गायिका अंजलि श्रीवास्तव द्वारा सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति हुई। उसके बाद संस्थापिका दीपशिखा श्रीवास्तव 'दीप' द्वारा उपस्थित सभी साहित्यकारों का शाब्दिक स्वागत किया गया।
संस्था के मीडिया पार्टनर रूप में हिमालयन अपडेट न्यूज ने अपनी सहभागिता दर्ज की!
जहाँ कार्यक्रम का बेहतरीन संचालन संस्था की संस्थापिका दीपशिखा श्रीवास्तव 'दीप' द्वारा किया गया वहीं कार्यक्रम में तकनीकी सहयोग मास्टर द्विज श्रीवास्तव के द्वारा अत्यंत कुशलतापूर्वक किया गया।
संस्था की संस्थापिका दीपशिखा श्रीवास्तव तथा संरक्षक नीरज श्रीवास्तव ने वहां उपस्थित सभी साहित्यकारों को माला पहना कर सम्मानित किया।
कार्यक्रम में जहाँ गौरवमयी उपस्थिति रही दूरदर्शन केंद्र नई दिल्ली के पूर्व निदेशक अमरनाथ अमर की वहीं सी.सी. स्कूल की डायरेक्टर व प्रधानाचार्या निर्मल यादव तथा एस्टर स्कूल की प्रधानाचार्या उर्मिल यादव का भी सानिध्य प्राप्त हुआ।
कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध कवि त्रिलोक कौशिक, अनिल श्रीवास्तव, अंजलि श्रीवास्तव, सुजीत कुमार, विनय कुमार, शकुंतला मित्तल, ज्योत्स्ना कलकल, ऋतंभरा मिश्रा, राजपाल यादव, लोकेश यादव, अर्चना सिन्हा, सविता स्याल, शारदा मित्तल, प्रीति मिश्रा, बिमलेन्दु सागर, सुशीला यादव, सरोज गुप्ता, संयोगिता यादव, मोनिका शर्मा, डॉ. शैलजा दूबे, रश्मि ममगाई, रवि शर्मा तथा रेखा सिंह ने अपनी भावपूर्ण प्रस्तुतियों से आयोजन को भव्यता प्रदान की।

संस्था के ऑफिशियल फेसबुक पेज पर कार्यक्रम का सीधा लाइव प्रसारण किया गया।
कार्यक्रम के अंत में संस्था की संस्था की संस्थापिका दीपशिखा श्रीवास्तव 'दीप' ने वहाँ उपस्थित सभी साहित्यकारों का आभार प्रकट कर धन्यवाद ज्ञापित करते हुए संगोष्ठी का समापन किया।
कार्यक्रम का समापन स्वादिष्ट जलपान के द्वारा हुआ।
इस अवसर पर सभी प्रतिष्ठित साहित्यकारों ने अनेक विधाओं में रचित अपनी अपनी रचनाओं द्वारा इस आयोजन को यादगार बना दिया।

अमरनाथ अमर-
जब सूरज आग बरसाने लगे ,
जब जीवन की सारी खुशियां मुरझाने लगे, तुम अपनी बाँहों का सहारा देना।।
त्रिलोक कौशिक-
देवदास की पारो देखी है तुमने।
तुमने उसकी हीर नहीं देखी।।
अनिल श्रीवास्तव-
फल आए न आए काटते नहीं बनता
हरी डाली आम की!
तुम रहो न रहो हटाते नहीं बनता
पट्टिका कुलपुरुष के नाम की!!
दीपशिखा श्रीवास्तव'दीप'-
चाहती हूं जमीं आसमान एक कर दूँ।
चाहती हूं हर ओर मैं उजाला भर दूं।।
बस वक्त और हौसले में कुछ ठनी हुई है-
हौसले को थोड़ा वक्त चाहिए और वक्त को थोड़ा हौसला।
लोकेश चौधरी-
उठो भारत की वीर नरियो मैं तुम्हें जगाने आई हूं।
मैं नारी हूं नारी का इतिहास बताने आई हूं ।।
बिमलेन्दु सागर-
मेरी मसरूफियत ने मुझको इससे बेखबर रखा।
मेरे होने न होने से किसी को फर्क पड़ता है।।
राजपाल यादव-
उभरी बनके चिंगारी आजादी के संग्राम की।
उस रानी को याद रखेगी जनता हिंदुस्तान की।
नतमस्तक न हुई कभी अंग्रेजों की ज़िद के आगे,
अमिट रहेगी गाथा रानी झाँसी के बलिदान की।
शकुंतला मित्तल-
दूर रह कर भी कहाँ ,दूर रहा जाता है।
ख्याल घर का तो रह रह के, आ तड़पाता है।।
शारदा मित्तल-
मेरा रंग भी तू मेरा रूप भी तू।
मैं तुझमें हूं और मुझमें तू।।
सविता स्याल-
प्रेम तुम्हें शब्दों में बांधना असंभव है।
इसलिए कोई भी कलम तुम्हें व्यक्त नही कर पाती।।
विनय कुमार-
अब ये जुल्मत के आलम और नहीं देखे जाते,
आवाम के ये कत्ल-ए-आम नहीं देखे जाते।
वो बात तो करते हैं चैन-ओ-अमन की,
मगर उनके बेरुखी के तेवर नहीं देखे जाते।।
संयोगिता यादव-
बिना बोले जो सबके दिल की सुनता है।
बस मेरे दिल की बात वो नहीं सुनता।।
सुजीत कुमार-
तेरी आँखों को झील, रुख को कमल क्यों कहता
या तेरे हुस्न को महताब असल क्यों कहता ,
मैं जो पागल नहीं होता तो गजल क्यों कहता।।
रश्मि ममगाई-
युग युग तक रहे भारत हमें वो काम करना है
पढ़कर राम को लगता हमको हमें भी राम बनना है
रवि शर्मा-
हिन्दू न किसी को न मुसलमान लिखेंगे।
हर आदमी को हम तो बस इंसान लिखेंगे।।
जय हिन्द बोलते हुए जो देश पे मिटे-
हर छंद में हर राग में हम मान लिखेंगे।।
कार्यक्रम का समापन स्वादिष्ट जलपान के द्वारा हुआ।
इस अवसर पर सभी प्रतिष्ठित साहित्यकारों ने अनेक विधाओं में रचित अपनी अपनी रचनाओं द्वारा इस आयोजन को यादगार बना दिया।

हिमाचल में अगली विशेष कोर्ट में शून्य होंगे इंतकाल के मामले: सुक्खू

शिमला/हिमालयन अपडेट
मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने व्यवस्था परिवर्तन के नारे को दोहराते हुए कहा कि सरकार ने लंबित पड़े इंतकाल के मामलों को निपटाने के लिए बीते महीने विशेष कोर्टें लगाई थीं, जिसमें कई मामलों का निपटारा किया गया। आगामी विशेष कोर्ट में इंतकाल के मामलों को शून्य करने का सरकार ने लक्ष्य रखा है। मुख्यमंत्री ने सोमवार को शिमला में कहा कि इंतकाल के मामलों के अलावा पार्टीशन और डिमार्केशन के मामलों को भी सरकार 6 से 8 महीने में निपटाने के लिए कार्य कर रही है, जो कि आजादी के बाद हिमाचल सरकार की सबसे बड़ी पहल साबित होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इंतकाल, पार्टिशन जैसे मामलों के निपटारे में लोगों की कई पीढ़ियां खत्म हो जाती है, लेकिन निपटारा नहीं हो पाता।
उन्होंने कहा कि हिमाचल सरकार ने राजस्व विभाग के आधिकारियों को इन मामलों के शीघ्र निपटारे के आदेश दिए हैं, जबकि भाजपा सरकार ने पांच साल में जनमंच के नाम पर आधिकारियों को बेइज्जत करने और पैसे की बबार्दी करने का ही काम किया। वर्तमान सरकार व्यवस्था परिवर्तन करने में विश्वास रखती है और लोगों की समस्या का निपटारा किया जा रहा है।

हिमाचल में स्टोन क्रशर में घोटाला, बिना लीज के चल रहे 63 क्रशर: मुख्यमंत्री

शिमला/हिमालयन अपडेट
मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने खनन को लेकर पूर्व भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने आपदा के कारण ब्यास बेसिन में बंद किए गए स्टोन क्रशर में बड़े घोटाला होने की बात कही है और इस मामले में भाजपा पर पांच साल आंख मूंद कर काम करने का भी आरोप लगाया है। मुख्यमंत्री सुक्खू ने सोमवार को पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत में कहा कि मौजूदा समय में ब्यास बेसिन पर करीब 131 स्टोन क्रशर बंद पड़े हैं, जिनकी वैधता जानने के लिए गठित कमेटी ने अपनी रिपोर्ट दे दी है और 50 क्रशरों को शर्तों के साथ संचालित करने की सिफारिश की है, जिनको लेकर सरकार सिंगल विंडो मीटिंग के माध्यम से शीघ्र निर्णय लेने वाली हैं। उन्होंने कहा कि 63 क्रशर ऐसे हैं, जिनके पास वैध लीज तक नहीं है। क्रशर चलाने के लिए जेनरेटर सेट का प्रयोग किया जा रहा है और सरकार को रॉयलिटी नहीं मिल रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकार ने नियमों के खिलाफ काम किया और इसमें बड़ा घोटाला सामने आएगा। राज्य सरकार सभी पहलुओं को देख रही और पूरे हिमाचल में स्टोन क्रेशर की वैधता को लेकर जांच के उद्योग विभाग को निर्देश दिए गए हैं, जो क्रशर औपचारिकताएं पूरी करेंगे, उनको ही बहाल किया जायेगा अन्य की उद्योग विभाग जांच करेगा और उसके बाद ही सरकार आगामी निर्णय लेगी।

राज्य सरकार कर्मचारियों के हितों का रखेगी ध्यान: आरएस बाली

धर्मशाला/हिमालयन अपडेट
पर्यटन निगम के अध्यक्ष केबिनेट रैंक आरएस बाली ने कहा कि वर्तमान सरकार कर्मचारी हितैषी सरकार है तथा कर्मचारियों के हितों को सर्वोपरि मानते हुए निर्णय लिए जा रहे हैं। राज्य में नई सरकार के गठन के एक महीने के भीतर ही सरकारी कर्मचारियों को पुरानी पेंशन का लाभ देने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है। इससे करीब एक लाख 36 हजार कर्मचारी लाभांवित होंगे। सोमवार को टांडा मेडिकल कालेज के सभागार में अराजपत्रित महासंघ के स्थापना दिवस पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में बतौर पर्यटन निगम के अध्यक्ष आरएस बाली ने कहा कि एनपीएस के तहत कर्मचारियों की भारत सरकार के पास 8000 करोड़ की राशि पड़ी है उसे प्रदेश को लौटाने के लिए मंत्रीमंडल द्वारा प्रस्ताव पारित किया गया है। उन्होंने कहा कि हिमाचल के विकास में कर्मचारियों का अमूल्य योगदान रहा है।

क्रांति फाउंडेशन की अध्यक्ष कवयित्री लोकेश चौधरी ने देश में क्रांति की मसाल जलने वाली सोये भारत को जगाने वाली महान वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई को उनके जन्म दिवस पर याद किया गया । उनके पदचिन्हो पर चलने की सभी नारी शक्ति ने शपथ ली । जिस प्रकार से रानी लक्ष्मी बाई के लिए देश ही सब कुछ था उसी प्रकार हम नारी शक्ति के लिए ही देश सब कुछ है । इस अवसर पर लोकेश चौधरी , दीपशिखा श्रीवास्तव ,शकुंतला मित्तल ,मोनिका शर्मा , सुजीत कुमार भर , त्रिलोक कौशिक जी ,अनिल श्रीवास्तव ,अमर सभी सम्माननीय कविगण उपस्थित रहे ।

उपमुख्यमंत्री ने किया बल्क ड्रग पार्क के कॉरपोरेट ऑफिस का शुभारंभ

ऊना/हिमालयन अपडेट
उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने बाथू में निर्मित राजीव गांधी कॉमन फैसिलिटी सेंटर पर बने बल्क ड्रग पार्क के कॉरपोरेट ऑफिस का सोमवार को शुभारंभ किया। इस भवन के निर्माण पर एक करोड़ 35 लाख रुपये खर्च किए गए। इस मौके पर उद्योग मंत्री हर्ष वर्धन चौहान भी उपस्थिति थे। उपमुख्यमंत्री अग्निहोत्री ने इसके उपरांत दुलैहड़ में 31.05 करोड़ की लागत से निर्मित होने वाले बल्क ड्रग के लिए 15 एमएलडी की पेयजल योजना, 10.06 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित होने वाली प्रशासनिक खंड बल्क ड्रग पार्क के लिए उठाऊ पेयजल योजना तथा 11.75 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित होने वाली बल्क ड्रग पार्क की पेयजल के भूजल स्त्रोतो के पुनर्भरण परियोजना का शिलान्यास भी किया। उद्घाटन कार्यक्रम के बाद उपमुख्यमंत्री अग्निहोत्री ने हरोली विधानसभा क्षेत्र के गांव बाथू में एक जनसभा को भी संबोधित किया। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि करीब दो दशक पूर्व विकास की दृष्टि से पिछड़ा कहे जाने वाला हरोली विधानसभा क्षेत्र वर्तमान में विकास के मामले में न केवल हिमाचल प्रदेश में बल्कि देश के अग्रणी विधानसभा क्षेत्रों में शुमार होने जा रहा है। इसका श्रेय विस क्षेत्र की जनता को है, जिनके निरंतर समर्थन व आशीर्वाद से लगातार 5वीं बार उन्हें इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि बल्क ड्रग पार्क के लिए लगभग 32 करोड रुपये की पेयजल योजना, बल्क ड्रग पार्क के प्रशासनिक खंड के लिए लगभग 10 करोड रुपये की पेयजल योजना तथा बल्क ड्रग पार्क की पेयजल योजनाओं के भूजल स्त्रोतों के पुनर्भरण के लिए लगभग 12 करोड़ रुपये की परियोजनाओं के निर्माण कार्य को अगले 6 महीनों में पूरा कर लिया जाएगा।

हिमाचल में अरनी विश्वविद्यालय के चांसलर: विवेक सिंह उच्च शिक्षा को नया आयाम प्रदान कर रहे हैं

कांगड़ा/हिमालयन अपडेट
हिमाचल प्रदेश में अरनी विश्वविद्यालय (एयू) के ऊर्जस्वी और लक्ष्य पर केंद्रित चांसलर, विवेक सिंह उच्च शिक्षा में परिवर्तन का नेतृत्व कर रहे हैं। उच्च शिक्षा का भविष्य उज्ज्वल बनाने की अपनी तत्परता के साथ लगभग एक दशक पहले उन्होंने हिमाचल में प्रवेश किया, और यहाँ वो परिवर्तन के प्रणेता बने। उन्होंने नवीन शिक्षण तकनीकों, सॉफ्ट स्किल्स एवं अत्याधुनिक पाठ्यक्रमों पर ध्यान केंद्रित किया और अरनी विश्वविद्यालय को उत्तर भारत में विद्यार्थियों के लिए आकर्षण का केन्द्र बना दिया, जिससे कुछ ही सालों में यहाँ विद्यार्थियों का प्रवेश 200 से बढ़कर 2000 तक पहुँच गया।
विवेक सिंह के दूरदर्शी नेतृत्व में अरनी विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि हुई। 2009 में यूजीसी से मान्यता मिलने के वक़्त यहाँ 200 विद्यार्थी पढ़ा करते थे, जिनकी संख्या हर शैक्षणिक सत्र में लगातार बढ़ते हुए 2023 में 2000 तक पहुँच गई।
इनोवेशन की ओर विवेक सिंह की प्रतिबद्धता अरनी विश्वविद्यालय के दृष्टिकोण में झलकती है। यह विश्वविद्यालय विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत करता है, इंटरडिसिप्लिनरी लर्निंग को बढ़ावा देता है, और सॉफ्ट स्किल्स एवं व्यक्तित्व विकास पर ध्यान केंद्रित करता है, जिसके कारण यह अपने समकालीन संस्थानों से अलग है। यहाँ आधुनिक युग के पाठ्यक्रम प्रस्तुत किए जाते हैं, जिनमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस, सस्टेनेबल डेवलपमेंट जैसे विकसित होते हुए क्षेत्र शामिल हैं, जो विद्यार्थियों को तेजी से बढ़ते जॉब मार्केट के लिए तैयार करते हैं।

इन पाठ्यक्रमों ने न केवल विद्यार्थियों को आकर्षित किया है बल्कि हिमाचल प्रदेश में उच्च शिक्षा के परिदृश्य को आगे बढ़ाने में भी मदद की है। अरनी विश्वविद्यालय इस क्षेत्र की शैक्षणिक संरचना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है, जो विद्यार्थियों को शैक्षणिक सफलता पाने और एक सशक्त करियर बनाने में समर्थ बनाता है। विश्वविद्यालय के ह्लस्किल कंप्रेहेंसिव हायर एजुकेशनह्व (कौशल विस्तृत उच्च शिक्षा) के उद्देश्य से इसका दूरगामी दृष्टिकोण प्रदर्शित होता है, जो विशेषतया हिमाचल प्रदेश के चुनौतीपूर्ण भौगोलिक क्षेत्र में सस्टेनेबल आजीविका के निर्माण पर केंद्रित है।
विवेक सिंह का उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल नौकरियों के लिए तैयार करना ही नहीं, बल्कि उनमें उद्यमिता की भावना का विकास करना भी है। अरनी विश्वविद्यालय एक समग्र शैक्षणिक परिवेश के रूप में कार्य करता है, जिसमें विद्यार्थियों को अपने-अपने क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने, समाज को अपना योगदान देने और दुनिया में स्थायी परिवर्तन लाने के लिए आवश्यक उपकरण उपलब्ध होते हैं। यह संस्थान बहुमुखी प्रतिभा एवं अनुभवात्मक ज्ञान को बढ़ावा देता है, तथा इंटरडिसिप्लिनरी दृष्टिकोण की मदद से विद्यार्थियों को अपनी रुचि के क्षेत्र में आगे बढ़ते हुए अपनी पसंद का करियर बनाने में समर्थ बनाता है।
हाल ही में एक अभूतपूर्व पहल करते हुए विवेक सिंह ने सैनिक परिवारों से विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए विशेष प्रावधानों की घोषणा की। इस विश्वविद्यालय को जम्मू-कश्मीर छात्रवृत्ति योजना प्रदान करने के लिए सूचीबद्ध किया गया है, जिसके अंतर्गत भारतीय सेना के उत्तरी कमान मुख्यालय द्वारा अनुशंसित विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाता है। इस पहल से देश सेवा करने वाले सैनिकों की सेवा करने की अरनी विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता प्रदर्शित होती है।